सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 239 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 6 अक्टूबर, 2025

किसी की निंदा ना करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो जरुर बढ़ाएं। अगर नहीं बढ़ा सकते, तो अपने हाथ जोड़िये, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिये, और उन्हें उनके मार्ग पे जाने दीजिये। –स्वामी विवेकानंद

महिला विश्वकप: भारत ने पाक को... 7 | यूपी में विस चुनाव से पहले आरक्षण... 3 | भाजपा की नीतियों से किसान, मजदूर... 2

बिहार चुनाव : तारीखों का ऐलान

लोकतंत्र के मेले में विकास जीतेगा या विश्वास!

- » पटना से लेकर पूर्णिया तक हवा में बहेगी चुनावी सनसनी
- » बिहार में पहली बार चुनाव आयोग लागू करेगा डिजिटल कोड ऑफ कंडक्ट
- » 500 से ज्यादा पर्यवेक्षक, सीमाचंल पर विशेष चौकसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। घड़ी की सुई जैसे ही सोमवार की शाम चार पर पहुंचेगी वैसे ही पटना से लेकर पूर्णिया तक हवा में एक सनसनी दौड़ जाएगी। चुनाव आयोग आज बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान करेगा। लोकसभा के चुनावी नतीजों से सबक लेते हुए इस बार एनडीए ने चुनाव आयोग से दो चरणों में मतदान कराने की अपील की है। बिहार विधानसभा चुनाव एक बार सियासी रणभूमि बनने जा रहा है।

यह चुनाव केवल सत्ता की होड़ नहीं है बल्कि यह एक ऐसा मायाजाल बनकर उभरा है जहां हर नेता हर दल और हर नारा जनता के मन पर जादू चलाने को तैयार है। गौरतलब है कि राजनीति अब शतरंज का खेल नहीं बल्कि अब यह जासूसी उपन्यास की तरह रोमांचक हो गई है। जहां कहीं धोखा है कहीं दांव है कहीं गठबंधन का झांसा है तो कहीं जनता का सन्नाटा है। बिहार चुनाव 2025 इस बार केवल वोटों की गिनती नहीं करेगा बल्कि यह भी तय हो जाएगा कि वहां कौन है जनता का सच्चा जादूगर और कौन केवल जादू दिखाने वाला।

दो चरणों में होगा मतदान?

सोर्सेज के मुताबिक इस बार बिहार में चुनाव आयोग 2 चरणों में मतदान कराने की तैयारी में है। सीमांचल से लेकर सिवान तक सुरक्षा बलों की तैनाती को बढ़ाया जा रहा है। ईवीएम के साथ वीवीपैट ट्रिपल लेयर चेकिंग होगी। सोशल मीडिया पोस्ट, एआई जनित वीडियो और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर इस बार विशेष निगरानी रखी जाएगी। बिहार में पहली बार 500 से अधिक पर्यवेक्षक नियुक्त किये जाने की तैयारी है और पहली बार चुनाव आयोग डिजिटल कोड ऑफ कंडक्ट लागू कर सकता है। बिहार का यह चुनाव अब केवल मैदान के साथ मोबाइल स्क्रीन पर भी लड़ा जाएगा।

4 पीएम पर होगा एलान

चुनाव आयोग ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। ये प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 4 बजे बुलाई गई है। चुनाव आयोग की ये प्रेस कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के विज्ञान भवन में होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की वोटिंग और काउंटिंग समेत सभी प्रक्रिया की तमाम तारीखों का ऐलान कर देगा। इसमें वोटिंग काउंटिंग से लेकर चुनाव संपन्न होने तक की तारीखों का ऐलान कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस बात की पूरी उम्मीद है कि चुनाव आयोग महापर्व छठ के संपन्न होते ही वोटिंग का पहला दिन रखेगा। यानी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की पहले फेज की वोटिंग 28 अक्टूबर के बाद किसी भी दिन रखी जाएगी। 15 नवंबर से पहले मतगणना करवा कर चुनाव आयोग बिहार विधानसभा चुनाव को संपन्न करा लेगा।

पीएम मोदी के सहारे एनडीए

भाजपा अपने पुराने मंत्र पर लौट आई है बिहार की फिजाओं में एक बार फिर मोदी है तो मुमकिन है नारे गूंज रहे हैं। लेकिन बिहार की गलियों से यह सवाल भी उठना शुरू हो गये है कि क्या वाकई कुछ मुमकिन हुआ? क्योंकि केंद्र की विकास योजनाएं जैसे सड़क, गैस, घर, टॉयलेट सब कागजों में हैं। बिहार का युवा रोजगार के बारे में सवाल पूछ रहा है। पटना यूनिवर्सिटी से लेकर मधुबनी के इंटर कॉलेज तक हर क्लासरूम में सपने तो हैं लेकिन वह सपने वही दम तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। विकास का नारा बेरोजगारी के आंकड़ों में खो गया है। और यही वो युवा मतदाता हैं जो इस बार चुनाव का असली गेमचेंजर होंगे।

कहीं नफरती चुनाव न बन जाए

बिहार का चुनाव बिना हिंसा, धमकी और बूथ कब्जे के अधूरे लगते हैं। हालांकि ईवीएम और पैरामिलिट्री फोर्सेज की मौजूदगी ने हालात सुधारे हैं। लेकिन गांवों में प्रभावशाली जाति का डर अब भी कायम है। मुसलमान और पिछड़े तबके अब पहले जैसे डरकर वोट नहीं करते। लेकिन ध्रुवीकरण का खेल अब भी जोरों पर है। दिन प्रतिदिन बिहार चुनाव फिर से जाति बनाम जाति की खिचड़ी पकाने वाला बन रहा है। जहां विकास और वैचारिक बहसों की जगह नफरत का मसाला ज्यादा है।

विपक्ष के योद्धा तेजस्वी यादव

लालू की विरासत युवाओं की उम्मीद और विपक्ष की नब्ज तेजस्वी यादव आज बिहार में राजनीतिक करिश्मा का दूसरा नाम बन चुका हैं। तेजस्वी इस बार का चुनाव रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों पर लड़ रहे हैं यही उन्हें बाकी नेताओं से अलग बनाता है। उनकी रैलियों में भीड़ उमड़ती है। उनके संवाद में एक अजीब आत्मविश्वास है। पिछले चुनाव में तेजस्वी ने बेरोजगारी को मुद्दा बनाया और करोड़ों युवाओं को जोड़ लिया। उनके 10 लाख नौकरी का वादा भले पूरा न हुआ हो लेकिन उस वादे ने बिहार के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया। बीजेपी जहां राम और राष्ट्रवाद पर खड़ी है वहीं तेजस्वी रोजगार और सम्मान पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

महिलाओं की चुप्पी में छिपी क्रांति

बिहार की राजनीति में एक नया और शांत चेहरा तेजी से उभर रहा है और वह हैं महिला मतदाता। शराबबंदी के बावजूद महिलाओं ने नीतीश को पहले समर्थन दिया था। क्योंकि उन्होंने साइकिल योजना, आरक्षण और शिक्षा पर काम किया।

लेकिन अब वही महिलाएं अपने पतियों की गिरफ्तारी, थानों की घूसखोरी और शराब के काले धंधे से परेशान हैं। वह अब नीतीश को संवेदनशील नेता नहीं बल्कि थके हुए मुख्यमंत्री के रूप में देखने लगी हैं। महिलाओं की यह खामोशी 2025 के चुनाव की सबसे बड़ी कहानी लिखेगी।

वांगचुक की गिरफ्तारी : एनडीए सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

- » लेह की ठंड में गर्म होती सियासत
- » अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को
- » याचिका में उठाये गये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने सरकार से पूछा है कि आखिर किन परिस्थितियों में एक शांतिपूर्ण, अहिंसक और गांधीवादी तरीके से आंदोलन करने वाले व्यक्ति पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जैसे कठोर प्रावधान लगाए गए?

हिरासत को रद्द करने की अपील

याचिका में बंदी तक तत्काल पहुंच प्रदान करने और हिरासत के आदेश को रद्द करने की भी मांग की गई। याचिका में गृह मंत्रालय लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, लेह के उपायुक्त और जोधपुर जेल अधीक्षक को पक्षकार बनाया गया है। साथ ही उन्हें याचिकाकर्ता को उसके पति से टेलीफोन और व्यक्तिगत रूप से तुरंत मिलने की अनुमति देने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया कि वांगचुक की नजरबंदी अवैध, मनमानी और असंवैधानिक है, जो संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 22 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

भावनात्मक माहौल बनान चाहती है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि याचिकाकर्ता यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि सोनम वांगचुक को चिकित्सीय सहायता और पत्नी से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है, ताकि अपने पक्ष में एक भावनात्मक माहौल बनाया जा सके। उन्होंने कहा, यह सब सिर्फ मीडिया और लद्दाख में यह छवि बनाने के लिए किया जा रहा है कि उसे दवाइयों और पत्नी से मिलने का हक नहीं दिया जा रहा है। बस एक भावनात्मक माहौल बनाने की कोशिश है। वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा और वकील सर्वम ऋतम खरे के माध्यम से दायर अपनी याचिका में सोनम वांगचुक की पत्नी ने वांगचुक के खिलाफ एनएसए लगाने के फैसले पर भी सवाल उठाएं हैं।

वकील से मिलने दिया जाए

याचिका में कहा गया है कि उन्हें दवाइयां, निजी सामान या उनके परिवार व वकील से मिलने की सुविधा दिए बिना ही तुरंत जोधपुर की केंद्रीय जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। याचिका में कहा गया है कि वांगचुक या उनके परिवार को आज तक हिरासत में रखने का कोई आधार नहीं बताया गया है।

भाजपा की नीतियों से किसान, मजदूर और गरीब तबका त्रस्त : श्याम लाल

» सपा संगठन की मजबूती से ही होगा सत्ता परिवर्तन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि भाजपा की नीतियों से किसान, मजदूर और गरीब तबका त्रस्त है। इसलिए सपा ही जनता की उम्मीदों की असली प्रतिनिधि है और बूथ स्तर से संगठन को मजबूत कर ही सत्ता परिवर्तन संभव है।

काकोरी में समाजवादी पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए बूथ प्रभारियों, ब्लॉक अध्यक्षों व सेक्टर पदाधिकारियों का सम्मेलन किया। इसमें सपा नेताओं ने 2027 में पीडीए की सरकार बनाने का संकल्प लिया और भाजपा सरकार की जमकर आलोचना की। विशिष्ट अतिथि सांसद आरके चौधरी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि बूथ स्तर पर जनता के बीच जाकर भाजपा की विफलताओं को उजागर करें और सपा के मिशन 2027 को सफल बनाएं। प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा ने बूथ अध्यक्षों, प्रभारियों व सेक्टर पदाधिकारियों को सम्मानित किया। सम्मेलन में अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष इकबाल कादरी, नजमी खां, रूप नारायण यादव, नागेंद्र सिंह यादव, सोनिस मौर्य, विजयश्री गौतम आदि मौजूद रहे।

दलित, पिछड़े वर्ग के अधिकार छीन रही सरकार : आरके चौधरी

पीडीए की चौपाल में सपा पदाधिकारियों ने सरकार की नीतियों की जमकर खिंचाई की। इसके पहले मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सपा सांसद आरके चौधरी व पूर्व विधायक अम्बरीष पुष्कर का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सभा में आरके चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार दलित, पिछड़े, गरीब और बेरोजगार वर्ग के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जो बहुजन की बात करेगा, वही देश पर राज करेगा। पूर्व विधायक पुष्कर ने कहा कि किसानों और गरीबों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। न तो उन्हें समय पर खाद मिल पा रही है, न ही थाने या तहसील स्तर पर कोई सुनवाई हो रही है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक असंवेदनशीलता चरम पर है।

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना ही कार्यकर्ताओं का लक्ष्य : ऊषा वर्मा

पूर्व सांसद ऊषा वर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना ही कार्यकर्ताओं का लक्ष्य है। पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि जब से सपा ने पीडीए पर काम शुरू किया है तब से भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। बैठक में जिलाध्यक्ष शराफत अली, पूर्व जिलाध्यक्ष पम्मू यादव, पूर्व विधायक बाबू खां, राहुल गुप्ता, फूलचंद्र वर्मा, रहमत अली मोनू, अजय सिंह पाल, प्रदीप कुशवाहा, विजय बाबू वाजपेयी आदि मौजूद रहे।

नौजवानों के हौसले सरकार ने किए पस्त : अभिषेक यादव

समाजवादी पार्टी ने पंचायत चुनाव से पहले बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू की है। इसी क्र म में समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने चार विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में अभिषेक यादव ने कहा कि जहां बूथ स्तर पर संगठन कमजोर है, वहां सजगता के साथ संगठन मजबूत करने का काम किया जाए। नगर पालिका परिसर स्थित पार्टी कार्यालय में अभिषेक यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों के हौसले पस्त कर दिए हैं। संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जे की कोशिश हो रही है। आरक्षण और नौकरियां मांगने पर लाठी मिल रही है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने से चुनाव में जीत तय है। शाहाबाद के पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने कहा कि भाजपा के संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर सत्ता में बने रहना चाहती है।

कानपुर मामले पर सपा का बीजेपी पर कटाक्ष

कट्टा नहीं, रावण बनने के लिए कर रहे थे आवेदन : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से रामलीला के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता के द्वारा पिस्टल तानने के मामले पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया है। साथ ही बीजेपी पर निशाना भी साधा है।

कानपुर की घटना पर अखिलेश यादव ने एक्स हैंडल पर लिखा, अब भाजपाई कहेंगे हमारे पट्टाधारी कार्यकर्ता महोदय जी कट्टा नहीं तान रहे थे, बल्कि रावण बनने के लिए आवेदन कर रहे थे और खलनायक की भूमिका हेतु अपने चरित्र की उपयोगिता सिद्ध कर रहे थे। इन्हें तो अभिनय की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि इनके दल में तो हर दिन का यही काम है, इस खलकर्म में तो वो बेहद सिद्ध हस्त हैं। दरअसल, यह मामला कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र भौती गांव से सामने आया है. यहां रामलीला का आयोजन किया जा रहा था. इस कार्यक्रम में बीजेपी युवा मोर्चा से जुड़े अमितेश शुक्ला कार्यक्रम में पहुंचे थे. आरोप है कि मंचन के दौरान अमितेश शुक्ला ने कलाकारों और नृत्य कर रही डांसर पर सरेआम रुपये लुटाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई।

यूपी के नेता बिहार में पार कराएंगे नैया : अजय राय

» कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित छह नेताओं को सौंपी बिहार चुनाव की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित छह नेताओं को बिहार चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये नेता बिहार में जिलेवार स्थानीय नेताओं से समन्वय रखते हुए चुनाव जीतने की रणनीति बनाएंगे। कांग्रेस ने बिहार चुनाव के लिए 41 जिला चुनाव पर्यवेक्षकों की सूची जारी की है। इसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, सांसद तनुज पुनिया, पूर्व सांसद प्रदीप जैन, पूर्व विधायक संजय कपूर को शामिल किया गया है। ये नेता बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

संबंधित जिलों में स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय रखते हुए चुनाव जीतने की रणनीति तैयार करेंगे। स्थानीय नेताओं को यह भी समझाएंगे कि किस तरह से लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और सीटें जीतने में कामयाब रहे। किसान कांग्रेस विभाग के मध्य जोन की कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की संस्तुति के बाद मध्य जोन अध्यक्ष बृज मौर्य ने प्रदेश कार्यकारिणी में सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, मोहित यादव, राजेश कुमार सिद्धार्थ, राजगुरू नारायण त्रिपाठी, नरेन्द्र चंचल कुशवाहा को उपाध्यक्ष, राजेश अवस्थी शिव मूर्ति यादव, अभय प्रताप सिंह, कमलेश तिवारी, सचिव मौर्या, शरद श्रीवास्तव, बृजेश कुमार सिंह, करुण पांडेय, ममता यादव, अजय शुक्ला, दीप्ति सिंह सचान, शुभम अग्निहोत्री को महासचिव बनाया है। इसी तरह विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्ष व कार्यकारिणी में अन्य पदाधिकारियों की घोषणा की है।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद दी जाएगी : ममता

» बंगाल की सीएम ने जाना पीड़ितों का हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत सभी आवश्यक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा, मैं इस बात से बेहद चिंतित और चिंतित हूं कि कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।

बनर्जी ने उत्तर बंगाल में व्यापक तबाही के लिए केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया, कल रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से अधिक बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से नदी का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं आईं। मुख्यमंत्री ने भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमें यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायता पहुंचाऊंगी।

मुख्यमंत्री के अनुसार, आपदा के कारण बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया, दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और बाढ़ आ गई है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार जिलों में जमीन के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से मिरिक, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, माटीगाड़ा और अलीपुरद्वार से चिंताजनक क्षति और नुकसान की खबरें मिलने की बात कही। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में फंसे पर्यटकों के लिए एक विशेष सलाह जारी की है। उन्होंने कहा, इस बीच, हम उत्तर बंगाल के पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लेती, वे वहीं रहें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारी और पुलिस हर जगह सभी प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाएंगे।

मुख्यमंत्री कर रही हैं स्थिति की निगरानी

बनर्जी ने आश्वासन दिया कि वह लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुख्य सचिव के साथ एक वर्चुअल बैठक कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह कल रात से ही चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रख रही हैं और उन्होंने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की, जिसमें गौतम देब और अनित थापा जैसे जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। उन्होंने बताया, मैं लगातार संपर्क में हूं और इस सिलसिले में कल अपने मुख्य सचिव के साथ व्यक्तिगत रूप से उत्तर बंगाल जा रही हूं।

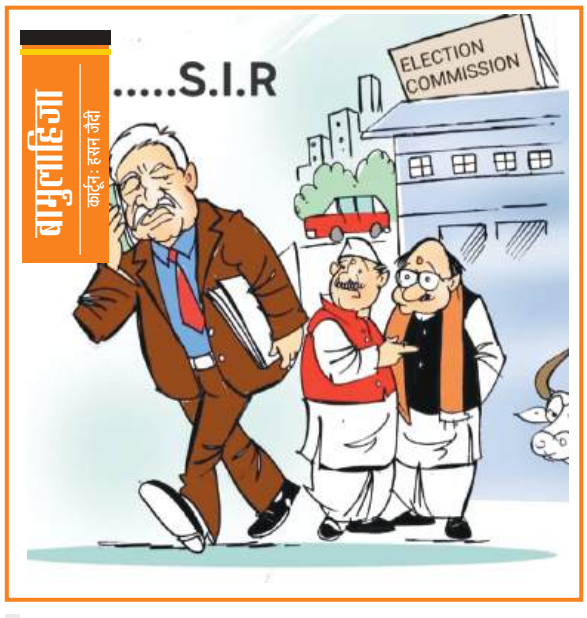

देश को खंड-खंड करना चाहते धर्म के ठेकेदार : स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। यूपी के अमेठी में सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पूर्व मंत्री एवं अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है।

सरकारी नीतियों पर प्रहार करते हुए कहा कि सरकार हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद के मुद्दों को बनाए रखना चाहती है। इसे खत्म करना नहीं चाहती है। मंच से संबोधन के दौरान संस्कृत का एक श्लोक पढ़ते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 10 साल का ब्राह्मण 100 साल के क्षत्रिय का पिता होता है। हाल ही में जेल में गायत्री प्रसाद प्रजापति पर हुए हमले पर कहा कि इस समय जंगलराज चल रहा है। जेल में हमला हो जा रहा है। धर्म को लेकर उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने के लिए कई लोगों ने कुर्बानी दी है। लेकिन, कुछ ठेकेदार धर्म का चोला पहनकर देश के साथ धोखा करना चाहते हैं।

मप्र में सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के आगे पुलिस बेबस : दिग्विजय सिंह

» पूर्व सीएम ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। इंदौर के शीतला माता मार्केट इलाके में मुस्लिम वर्ग के कर्मचारियों की दुकान हटाने और खाली कराने के मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने लिखा- मध्यप्रदेश पुलिस की खुफिया शाखा के माध्यम से आपको भी इस घृणित घटनाक्रम का पता चल गया होगा।

सत्ताधारी दल के नेताओं के सामने इंदौर पुलिस किस कदर बेबस है, यह एक माह से जारी घटनाक्रम से परिलक्षित होता है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने लिखा कि सत्ताधारी दल के नेताओं के सामने इंदौर पुलिस किस कदर बेबस है, यह एक माह से जारी घटनाक्रम से परिलक्षित होता है। अगस्त 2025 के अंतिम सप्ताह में पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मण सिंह गौ? और स्थानीय विधायक व पूर्व महापौर मालिनी सिंह गौड के पुत्र एकलव्य गौड ने शीतलामाता मंदिर बाजार, इंदौर के व्यापारियों के साथ बैठक कर उन्हें मुस्लिम कर्मचारियों को दुकान से हटाने का फरमान जारी किया।

यूपी में विस चुनाव से पहले आरक्षण का दांव

छोटे दलों ने ओबीसी आरक्षण की मांग उठाई

- सपा का पीडीए पर जोर
- बसपा का अपने कोर वोट पर निगाह
- भाजपा व कांग्रेस भी रणनीति बनाने में जुटी
- राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखकर कोटे में कोटा पर उनके विचार मांगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

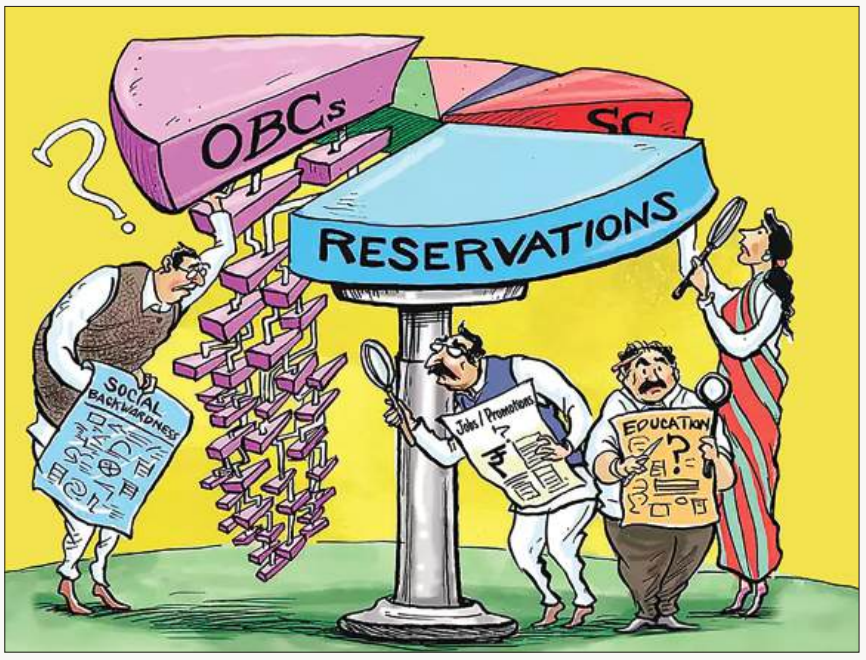

लखनऊ। यूपी में विस चुनाव होने में अभी एक साल से ऊपर बचे हैं। यहां पर भाजपा-सपा-कांग्रेस व बसपा जैसी बड़ी पार्टियों के अलावा छोटे दल भी अपना भाव बढ़ाने में लगे हैं। ये दल इंडिया व एनडीए दोनों गठबंधनों में हैं। सपा जहां पीडीए के सहारे चुनावी वैतरणी पार करना चाहती है। वहीं बसपा अपने कोर वोट बैंक को फिर अपने पाले में करने की जुगत में है। इसी के तहत व 9 को लखनऊ में बहुत बड़ा रैली करने जा रही है।

उधर भाजपा की सहयोगी, सुभासपा व अपना दल एस ओबसी आरक्षण का मुद्दा उछालकर उस पर अभी से दबाव की राजनीति में लग गई है। ओपी राजभर ने एक बार फिर ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठाया। उन्होंने पत्र लिखकर सभी दल के अध्यक्षों से कोटे में कोटा पर राय मांगे। भाजपा, सपा, बसपा, आरजेडी, निषाद और अपना दल अध्यक्षों से इस मसले पर उनके विचार पूछे हैं। राजधानी लखनऊ में सुभासपा अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठाकर प्रदेश की सियासत में गर्म करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को पत्र लिखकर कोटे में कोटा पर उनके विचार मांगे हैं। ओपी राजभर ने कहा कि अब सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने का वक्त आ गया है। सभी राजनीतिक दल इस पर अपनी राय स्पष्ट करें। राजभर ने पत्र में लिखा है कि वर्ष-2001 में हुकुम सिंह की अध्यक्षता में सामाजिक न्याय समिति का गठन हुआ था। इसमें उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को मिल रहे 27 फीसदी आरक्षण में बंटवारा करके पिछड़े वर्ग की वंचित जातियों को लाभ देने की सिफारिश थी।

अनुप्रिया पटेल को भी इस संबंध में पत्र लिखा

ओम प्रकाश राजभर ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती, आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद और अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को इस संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट न तो लागू की गई और न ही ओबीसी आरक्षण में बंटवारा किया गया। राजभर ने सभी दलों से इस संबंध में उनकी स्पष्ट राय मांगी है।

अब हक और हिस्सेदारी का दौर शुरू होगा

ओबीसी के आरक्षण में बंटवारा हो और पिछड़ा वर्ग को 7 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग को 9 प्रतिशत और सर्वाधिक पिछड़ा वर्ग को 11 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि मामला केवल रिपोर्ट की संस्तुतियां लागू करने का नहीं है। यह उस वर्ग का हक है जो अब तक विकास से वंचित रहा। अब यह अन्याय बंद होगा। अब हक और हिस्सेदारी का दौर शुरू होगा। अब कोई पीछे नहीं रहेगा।

सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करना आसान

सुभासपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की सभी जातियों को आरक्षण का लाभ दिलवाने के लिए सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करना आसान है। यह पत्र प्रदेश की

राजनीति में सामाजिक न्याय की नई ललकार है। अब समय आ गया है कि सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू की जाए।

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक ओबीसी का शोर

भाजपा को मिला नया गुजरात ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष

- जगदीश विश्वकर्मा पर शाह-मोदी का बड़ा दांव
- महाराष्ट्र में ओबीसी आरक्षण में कटौती के खिलाफ है भाजपा?
- प्रदेश मुख्यालय में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जहां यूपी में भाजपा के सहयोगी ओबीसी की आरक्षण की मांग कर रहे हैं वहीं अपने प्यारे राज्यों महाराष्ट्र व गुजरात में वह ओबीसी पर ही दांव लगा रही है। जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो सी.आर. पाटिल की जगह लेंगे। अमित शाह के करीबी और 52 वर्षीय विश्वकर्मा इस पद पर आसीन होने वाले दूसरे ओबीसी नेता और अहमदाबाद शहर से पहले हैं, जो पार्टी की संगठनात्मक रणनीति को दर्शाता है।

यह नियुक्ति पाटीदार और प्रमुख ओबीसी समुदायों के बढ़ते दबाव के बीच हुई है। वहीं भाजपा की महाराष्ट्र में मंत्री पंकजा मुंडे मराठाओं को आरक्षण देने के लिए ओबीसी के कोटे में कटौती के खिलाफ है। बता दे भाजपा ने सी.आर. पाटिल की जगह जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अमित शाह के करीबी और भूपेंद्र पटेल सरकार में राज्य मंत्री, 52 वर्षीय विश्वकर्मा इस पद पर आसीन होने वाले दूसरे ओबीसी नेता और अहमदाबाद शहर से पहले नेता हैं। भाजपा नेता जगदीश पांचाल को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, भूपेंद्र यादव और अन्य की उपस्थिति में गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में घोषित किया गया।

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा शनिवार अहमदाबाद शहर भाजपा अध्यक्ष प्रेरक शाह के साथ अहमदाबाद के कैंप हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करने के बाद गांधीनगर स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय, कमलम पहुंचे। विश्वकर्मा एक रैली में कमलम पहुंचे, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक गाजे-बाजे के साथ उनका भव्य स्वागत किया। कमलम में आधिकारिक घोषणा के बाद, उन्होंने गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता जगदीश पांचाल विश्वकर्मा आज भाजपा अध्यक्ष की भूमिका संभालने के लिए तैयार हैं। इसे लेकर लोगों में काफी उत्साह है। कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद भी, मुझे पूरा विश्वास है कि वह गुजरात के सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एक कार्यकर्ता के रूप में राज्य के हर वर्ग, समाज और क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे।

पाटीदार और प्रमुख ओबीसी समुदायों के बढ़ते दबाव का असर

पाटीदार और प्रमुख ओबीसी समुदायों के बढ़ते दबाव के बीच भारतीय जनता पार्टी ने जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है-अहमदाबाद शहर से किसी नेता के लिए यह पहला मौका है। इस प्रतिष्ठित पद को लेकर पार्टी कई हफ्तों से अंदरूनी खींचतान में उलझी रही। प्रभावशाली पाटीदार नेता, वरिष्ठ क्षत्रिय और ब्राह्मण नेता, कांग्रेस से आए दलबदलू, और अहीर, ठाकोर और कोली जैसे प्रभावशाली ओबीसी समूह, सभी ने आलाकमान से पैरवी की। आखिरकार, विश्वकर्मा पर फैसला हुआ-एक भरोसेमंद संगठनात्मक चेहरा जिसे तटस्थ, व्यापक रूप से स्वीकार्य और दिल्ली की रणनीति के अनुरूप माना जाता है।

ओबीसी के हिस्से का आरक्षण न बांटा जाए : पंकजा मुंडे

महाराष्ट्र में एक बार फिर आरक्षण का मुद्दा उठने लगा है। मंत्री पंकजा मुंडे ने दशहरा रैली में स्पष्ट कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन यह आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की हिस्सेदारी से नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओबीसी पहले से ही संघर्ष और भूख से जूझ रहे हैं, इसलिए उनकी थाली से आरक्षण देना उचित नहीं होगा। मुंडे ने बीड जिले के सावरगांव घाट में रैली को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि जातिवाद के दानव को समाज से नष्ट किया जाना चाहिए। पंकजा मुंडे ने अपने भाषण में कहा कि उनके पिता गोपीनाथ मुंडे भी मराठा आरक्षण के समर्थक थे और वे स्वयं भी इसके पक्ष में हैं। उन्होंने दोहराया कि हमारा उद्देश्य मराठा आरक्षण दिलाना है, लेकिन ओबीसी की हिस्सेदारी से किसी प्रकार की कटौती नहीं होनी चाहिए। मेरा समुदाय आज भूखा मर रहा है और संघर्ष देखकर मुझे नींद नहीं आती। उन्होंने रैली में उपस्थित लोगों को भी जागरूक किया कि मराठा आरक्षण सिर्फ उनका हक है, किसी और समुदाय की हिस्सेदारी से यह लिया नहीं जाना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार ने 2 सितंबर को हैदराबाद गजेटियर को लागू करने के लिए शासनादेश (जीआर) जारी किया था, जिसके तहत मराठा समुदाय के पात्र सदस्य कुनबी जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। प्रमाण पत्र जारी होने के बाद मराठा ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकते हैं। इस फैसले पर मुंडे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ओबीसी समाज पहले ही संघर्ष कर रहा है और उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है और आरक्षण का लाभ सभी योग्य समुदायों तक पहुंचना चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ती मोबइल आदतें किशोरों के लिए संकट

“ पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं। इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं।

भारत के किशोरों में मोबाइल व उस पर गेम खेलने चलन या कह सकते है लत बढ़ती जा रही है। सबसे बड़ी बात ये जानलेवा बनता जा रहा है। मोबाइल पर ज्यादा समय देने की वजह से ये किशोर समाज व परिवार से दूर होते जा रहें हैं जिसकी वजह से जब ये सोशल मीडिया से दूर होते हैं तो डिप्रेशन में चले जाते हैं इसकी परिणती आत्मदाह के रूप में सामने आता है। अभी हाल में एम्स की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं। इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है। अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्टूबर 2023 से दिल्ली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है। समस्याग्रस्त किशोरों को 12 सप्ताह की फिजियोथेरेपी दी गई, जिसके बाद अगले 24 सप्ताह तक उनकी निगरानी की गई। परिणाम में देखा गया कि बच्चों में न केवल उनकी मांसपेशी और हड्डी संबंधी दिक्कतें कम हुई, बल्कि पोस्चर में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। एम्स के विशेषज्ञों के अनुसार, फिजियोथेरेपी न केवल मौजूदा विकारों को ठीक करती है, बल्कि जीवनभर स्वस्थ आदतें विकसित करने में मदद करती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तबाही का सबब बन सकती हैं ग्लेशियर झीलें

ज्ञानेंद्र रावत

जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि निचले इलाकों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है, क्योंकि इन झीलों के टूटने से बाढ़ जैसी आपदाएं आ सकती हैं। उच्च हिमालय में झीलों का यह विस्तार वैज्ञानिकों और प्रशासन दोनों के लिए गहरी चिंता का विषय बन गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लेशियर झीलों का तेजी से विस्तार भविष्य में 2013 की केदारनाथ त्रासदी जैसी आपदाओं का कारण बन सकता है। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में 13 बेहद खतरनाक और 5 उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। कई झीलें मौसम व भौगोलिक कारणों से बनती-बिगड़ती रहती हैं। हाल ही में पिथौरागढ़ की दारमा घाटी में नई ग्लेशियर झील के आकार में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है।

केन्द्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक अकेले अरुणाचल में 197 से ज्यादा ग्लेशियर झीलें हैं। ये अपना खतरनाक स्तर पर विस्तार कर रही हैं। इनके बाद लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, हिमाचल और उत्तराखंड में झीलें हैं। एनडीएमए ने उत्तराखंड की इन खतरनाक 13 झीलों को तीन श्रेणियों में बांटा है। पिछले दिनों में गंगोत्री की केदारताल और चमोली में वसुतारा झील का काफी विस्तार हुआ है। इन झीलों के गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एम.पी.एस. बिष्ट द्वारा वर्ष 2014 और 2023 के उपग्रह चित्रों के अध्ययन से यह चिंताजनक खुलासा हुआ है। उनके मुताबिक ये झीलें हिमनद के असंगठित मलबे-मोराइन डैम की रुकावट से बनी हैं। उनका मानना है कि इस खतरे को देखते हुए सरकारों और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों को समय रहते इन झीलों का आकलन कर तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। वास्तव में उत्तरकाशी की धराली की घटना ने उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों के बढ़ते खतरे को फिर से चर्चा में ला दिया है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान चौराबाड़ी ग्लेशियर झील के फटने से हुई तबाही ने ग्लेशियर झीलों के खतरे को गंभीर मुद्दा बना दिया।

जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में लगभग 968 ग्लेशियर और कई हजार ग्लेशियर झीलें मौजूद हैं। इन झीलों में अत्यधिक बर्फ पिघलने से अक्सर बाढ़ का खतरा बना रहता है। इन झीलों का

आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड की आशंका लगातार बनी रहती है। हकीकत यह है कि मौसम के इस बदलते पैटर्न के बारे में बहुत कुछ समझना अभी भी बाकी है। इसलिए पिछले तकरीबन तीस सालों के आंकड़ों का गहनता से आकलन बेहद जरूरी है। आपदाओं के पूर्वानुमान को भी बेहतर बनाना समय की मांग है। यही नहीं, आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा हिमालय के जटिल और प्राचीन भूभाग पर कार्बन युक्त एरोसोल के अध्ययन को नजरंदाज करना बहुत बड़ी चूक होगी। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि हिमालय में वायु प्रदूषण में जीवाश्म ईंधन के जलने का ज्यादा असर पड़ रहा है। हिमालय अंचल में गाड़ियों की बढ़ती तादाद हवा में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी का अहम कारण है। हिमालयी बस्तियों और शहरों के बढ़ते बोझ से अब हांफने लगा है। वहीं ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेजी से ग्लेशियर पिघलकर बनी झीलें जल प्रलय को आमंत्रण दे रही हैं। इसरो की मानें तो हिमालय क्षेत्र की 2432 ग्लेशियर झीलों में से 672 झीलों का तो आकार तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। इनमें से भारत में मौजूद 130 झीलों के टूटने का खतरा हमेशा बना हुआ है। इसमें दो राय नहीं कि दिनोंदिन बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन की आंधी ग्लेशियरों के विनाश का सबब बन रही है। समुद्र के जलस्तर में वर्ष 1900 की तुलना में 20 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी और उसमें हो रही दिन-ब-दिन तेजी से वृद्धि, जिसके चलते कुछ द्वीप और तटीय इलाके डूबते जा रहे हैं। कुछ महानगरों-शहरों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है, बाढ़ की विनाशलीला बस्तियों को लील रही है, वहीं सूखा गांवों को वीरान बनाने की राह पर है। ऐसी विषम स्थिति में ग्लेशियरों को बचाना महज बर्फ को बचाना नहीं है बल्कि अपने भविष्य को बचाना है।

वैज्ञानिकों के शोध-अध्ययन इस बात के प्रमाण हैं कि भारत में ग्लेशियर झीलों में बहुतेरी ऐसी हैं जिनका आकार जून, 2025 के दौरान बढ़ा है। याद रखना होगा कि ग्लेशियर मात्र बर्फीले शिखर ही नहीं हैं, वे हमारे भविष्य की जड़ें हैं। यह नहीं भूलना चाहिए कि बर्फ के पिघलने से पूरा का पूरा पारिस्थितिकीय तंत्र बदल जाता है, जो पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक है। इन बढ़ते खतरों से निपटने की दिशा में हमें तत्काल कार्रवाई, फंडिंग के साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सहयोग की भी बहुत जरूरत है।

वैश्विक उथल पुथल के दौर में देश तलाशे अपनी भूमिका

गुरबचन जगत

हालिया घटनाएं मुझे फिर से एक बार इस पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं कि वैश्विक परिदृश्य में खेले जा रहे सत्ता के खेल में भारत की जगह क्या हो और इसमें 'साउथ ब्लॉक' को क्या भूमिका निभाने की जरूरत है। पिछले कुछ वक्त से, राष्ट्रपति ट्रंप और उनका व्यक्तित्व जोकि अमेरिकी रणनीति को संचालित कर रहा है, इसको लेकर काफी चर्चा जारी है। हालांकि यह एक कारक मात्र है, यह मान लेना कि इसका प्रभाव सब चीजों पर है, देश मामलों का अति सरलीकरण होगा; खासकर तब जबकि अमेरिका एक महाशक्ति है। शायद हमारी अपनी राजनीति, जो लंबे समय से संस्थागत होने की बजाय व्यक्ति पर टिकी है, हमें दूसरों को भी अपने इसी नजरिए से देखने के लिए मजबूर करती है, मेरी राय में यह एक गंभीर चूक है। सर्वप्रथम, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को ही लीजिए।

हालांकि पाकिस्तान कभी-कभी अमेरिका के लिए एक उद्दंड बालक जैसी समस्या रहा है (विशेषकर अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन के दौर में), फिर भी यह मुल्क दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी नीति में कुल मिलाकर एक अहम औजार रहा है। सोवियत संघ के विरुद्ध अफगान मुजाहिदीन विद्रोह के दौरान पाकिस्तान ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद, अफगानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण और तालिबान के साथ युद्ध के दौरान, पाकिस्तान ने रसद सहायता और खुफिया जानकारी, दोनों प्रदान की, यानि इस तरह उसने तालिबान और हक्कानी नेटवर्क, दोनों के साथ, दोहरा खेल खेला, हालांकि उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। पैटन टैंकों से शुरू करते हुए और आगे चलकर एफ-16 लड़ाकू विमान देना, पाकिस्तानी सेना को भी ज्यादातर अमेरिका ने ही सुसज्जित और प्रशिक्षित किया। बेशक, हालिया वर्षों में, उसे चीन के रूप में एक मजबूत समर्थक भी मिल गया। मैं इस पुराने संबंध का जिक्र इस क्षेत्र में अमेरिका के रहे (और आज भी) रणनीतिक हितों पर प्रकाश डालने के लिए कर रहा हूं।

अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने की मांग की है, जो इसका संकेत है कि जल्द ही कोई कड़ी कार्रवाई होने वाली है। सोवियत संघ के साथ हमारे संबंध और विशेष रूप से तीनों सेनाओं में रूस निर्मित हथियार और गोला-बारूद की आमद के चलते (हमारे अधिकांश पुराने उपकरण रूसी हैं) 20वीं सदी के अधिकांश समय में भारत-अमेरिका संबंधों को ठंडा या ज्यादा-से-ज्यादा गुनगुना ही कहा जा सकता है। सोवियत संघ विघटन और भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने से अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत के लिए अनुकूल माहौल बना। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते ने भारत पर दशकों से लगे परमाणु प्रौद्योगिकी प्रतिबंध को खत्म करवाया और साथ ही एक तरह से परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र होने की मान्यता भी मिली। इससे भारत-अमेरिका संबंधों को काफी सकारात्मक गति मिली। राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में, भारत-अमेरिका संबंध सुधरते दिख रहे थे।

हालांकि, इस वर्ष संकेत तब अशुभ हो गए, जब मई में हुई सैन्य झड़प के बाद – जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए पहलगाम नरसंहार के बाद हुई थी – ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनवाने का दावा किया। भारत ने इसका खंडन किया व स्पष्ट किया कि युद्धविराम दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता से बना। इसके बाद, ट्रम्प ने बारंबार युद्धविराम करवाने का दावा किया और कहा कि इस तरह उन्होंने एक संभावित परमाणु संघर्ष को टलवाया। स्थिति और मुश्किल बन गयी जब ट्रंप ने पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को निजी लंच दिया (अमेरिका ने बाद में भी उनकी मेजबानी की)। किसी देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री होते हुए उसके सेना प्रमुख को न्योता देना अपनी ही कहानी बयां करता है। न्योता तो हमारे प्रधानमंत्री को भी दिया गया था, जब वे कनाडा में थे, लेकिन उन्होंने पहले से तय कार्यक्रमों में व्यस्तता के चलते मना कर दिया (मौजूदा व्हाइट हाउस वासियों ने इसे हल्के में नहीं लिया होगा)। पिछले साल अपनी चुनावी रैलियों में, ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग ठहराया था और भारत तथा अन्य देशों पर, जिनके बारे में उनका दावा था कि अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन और व्यवहार में भारी अंतर हैं, उन पर तगड़ा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अंततः भारी टैरिफ लगा भी दिया; पहले 25 फीसदी, जो अपमानजनक है क्योंकि चीन को छोड़ हमारे पड़ोसी एशियाई देशों पर टैरिफ बहुत कम है और फिर रूसी तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी (कुल 50 प्रतिशत तक निषेधात्मक) लगा दिया।

किसी कारण, हमारे विदेश और वाणिज्य मंत्रालय के अलावा मीडिया का बड़ा वर्ग इस मंडराते खतरे को नकारता दिखाई दिया, इस उम्मीद में कि हमारे नेताओं के व्यक्तिगत संबंधों से स्थिति संभाल ली जाएगी। फिलहाल ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब हमारी अर्थव्यवस्था के विरुद्ध और अधिक दंडात्मक उपायों की धमकी न दी जाती हो। एच-1बी वीजा प्रकरण (1,00,000 डॉलर शुल्क) हमारे ऊपर नवीनतम प्रहार है। इसका प्रभाव हमारी आईटी फर्मों और पेशेवरों पर दीर्घ काल में बहुत बड़ा रहेगा। हमें इन उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को किसी अन्य देश के हित में फिर से खो देने के बजाय, इनकी संभावित वतन वापसी हेतु अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए। तो, हमें क्यों अलग-थलग करने के साथ निशाना बनाया जा रहा है?

दमकती त्वचा के लिए करें ये घरेलू उपाय

आज के समय में लोग स्किन केयर रुटीन को काफी सही से फॉलो करने लगे हैं। इसी के चलते बाजार में हर स्किन टाइप और हर स्किन टोन के हिसाब से स्किन केयर उत्पाद मिलने भी लगे हैं। पर, कई बार या तो बजट के चलते तो कई बार सूट न करने के चलते लोग इसका इस्तेमाल नहीं कर पाते। ऐसे मेंआप उन स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। जो आपके घर में ही उप्लब्ध होंगे। खास बात ये है कि इसके इस्तेमाल के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

फेस मास्क

कहीं भी जाने से पहले या किसी त्योहार से पहले हम सभी ही फेस मास्क का इस्तेमाल करते हैं। कई बार ये हमे सूट नहीं करता। ऐसे में घरेलू फेस मास्क इस्तेमाल करें। इसके लिए मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल में मिक्स करके 15 मिनट लगा रहने दें और फिर अपने चेहरे को ठंडे पानी से धोएं।

टोनर

अच्छा टोनर बाजार में कम से कम 200 रुपये का आता है। ऐसे में आप उसे खरीदने की जगह गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल काफी आसान है। इस्तेमाल के लिए सिर्फ गुलाब जल को कॉटन से चेहरे पर लगाएं। क्योंकि गुलाब जल स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चेहरे पर इसको लगाने से स्किन की कई समस्याएं दूर होती है।

मॉइश्चराइजर

अगर आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मॉइश्चराइजर खरीदेंगे तो ये 300 से 500 तक में आएगा। कई कंपनियों का मॉइश्चराइजर को 1000 रुपये से भी ज्यादा का आता है। ऐसे में आप अगर पैसे बचाना चाहते हैं तो मॉइश्चराइजर की जगह एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें।

स्क्रब

अगर आप बाजार में मिलने वाला स्क्रब इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी आपकी जेब ढीली हो सकती है। इसलिए हफ्ते में दो बार शहद और कॉफी पाउडर को मिक्स करके चेहरे पर अप्लाई करें। हफ्ते में 2 बार चेहरे पर सर्कुलर मोशन में ये स्क्रब लगाने से आपका न सिर्फ चेहरा खिल उठेगा, बल्कि आपके पैसे भी बचेंगे।

फेस क्लींजर

यदि आप बाजार से फेस क्लींजर खरीदते हैं तो इसी कीमत तकरीबन 200 से 300 रुपये होती है। ऐसे में आप कच्चा दूध और बेसन के मिश्रण को फेस क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इस्तेमाल के लिए दोनों चीजों को मिलाकर हल्के हाथों से इसे चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे के बाद अपने चेहरे को धो लें।

लिप बाम

कई बार बाजार में मिलने वाले लिप बाम होंठों को सूट नहीं करते हैं, जिस कारण तमाम दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसे में बाजार वले लिप बाम को बाय-बाय कहकर आप नारियल तेल को होंठों पर हल्के से लगाएं। ये होंठों के लिए काफी फायदेमंद है। इसके अलावा अगर आप अपने गालों को हाइलाइट करना चाहती है तो भी आप लिप बाम को चीक बोन्स पर लगाकर गालों को शाइनी बना सकती है।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना। संता- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए। संता- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

पति- क्या देख रही हो? पत्नी- कुकिंग शो। पति- दिन भर कुकिंग शो देखा करती हो, खाना बनाना तो फिर भी नहीं आया तुम्हें। पत्नी- आप भी तो कौन बनेगा करोड़पति देखते रहते हैं, तो कौन सा करोड़पति बन गए।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

पप्पू- क्या तुमको पता है कि मंदिर में पुरुष ही पुजारी क्यों होते है, चप्पू- नहीं यार तुम ही बता दो, गप्पू- मुझे पता है मैं बताता हूं गप्पू- ताकि, लोग सिर्फ भगवान पर ध्यान दे सकें, गप्पू की बात सुनकर टीचर हैरान।

टीचर- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते है? गप्पू- सर चोर होते है! टीचर- वो कैसे? गप्पू- क्योकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

कहानी | महाकपि का बलिदान

हिमालय के जंगल में ऐसे कई पेड़-पौधे हैं, जो अपने आप में अनोखे हैं। ऐसे पेड़-पौधे और कही नहीं पाए जाते। ऐसा ही एक पेड़ नदी किनारे था, जिस पर सारे बंदर अपने राजा के साथ रहा करते थे। बंदरों के राजा का नाम महाकपि था। महाकपि बहुत ही समझदार और ज्ञानवान था। महाकपि का आदेश था कि उस पेड़ पर कभी कोई फल न छोड़ा जाए। जैसे ही फल पकने को होता, वैसे ही वानर उसे खा लेते थे। महाकपि का मानना था कि अगर कोई पका फल टूटकर नदी के रास्ते किसी मनुष्य तक पहुंचा, तो ये उनके लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। सभी वानर महाकपि की इस बात से सहमत थे और उनकी आज्ञा का पालन करते थे, लेकिन एक दिन एक पका फल नदी में जा गिरा, जो पत्तियों के बीच छुपा हुआ था। वह फल नदी में बहकर एक जगह पहुंच गया, जहां एक राजा अपनी रानियों के साथ घूम रहा था। फल की खुशबू इतनी अच्छी थी कि आनंदित होकर रानियों ने अपनी आंखें बंद कर ली। राजा भी इस खुशबू पर मोहित हो गया। राजा ने अपने आसपास निहारा, तो उसे नदी में बहता हुआ फल दिखाई दिया। राजा ने उसे उठाकर अपने सिपाहियों को दिया और कहा कि कोई इसे खाकर देखे कि यह फल कैसा है। एक सिपाही ने उस फल को खाया और कहा कि ये तो बहुत मीठा है। इसके बाद राजा ने भी उस फल को खाया और आनंदित हो उठा। उसने अपने सिपाहियों को उस पेड़ को खोज निकालने का आदेश दिया, जहां से ये फल आया था। काफी मेहनत के बाद राजा के सिपाहियों ने पेड़ को खोज निकाला। उन्हें नदी किनारे वो सुंदर पेड़ नजर आ गया। उस पर बहुत सारे वानर बैठे हुए थे। सिपाहियों को ये बात पसंद नहीं आई और उन्होंने वानरों को एक-एक करके मारना शुरू कर दिया। वानरों को घायल देखकर महाकपि ने समझदारी से काम लिया। उसने एक बांस का डंडा पेड़ और पहाड़ी के बीच पुल की तरह लगा दिया। महाकपि ने सभी वानरों को उस पेड़ को छोड़कर पहाड़ी की दूसरी तरफ जाने का आदेश दिया। वानरों ने महाकपि की आज्ञा का पालन किया और वो सभी बांस के सहारे पहाड़ी के दूसरी ओर पहुंच गए, लेकिन इस दौरान डरे-सहमे बंदरों ने महाकपि को बुरी तरह से कुचल दिया। सिपाहियों ने तुरंत राजा के पास जाकर सारी बात बताई। राजा, महाकपि की वीरता से बहुत प्रसन्न हुए और सिपाहियों को आदेश दिया कि महाकपि को तुरंत महल लेकर आएं और उसका इलाज करवाएं। सिपाहियों ने ऐसा ही किया, लेकिन जब महाकपि को महल लाया गया, तब तक वह मर चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। धनार्जन सुगम होगा।

वृषभ वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है।

कर्क लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक नई आर्थिक नीति बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

धनु बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

मकर आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। तनाव रहेगा।

कुम्भ कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

फैशन रियलिटी शो 'पिच टू गेट रिच' के साथ धमाकेदार वापसी करने को तैयार हैं करण जौहर

करण जौहर अपने रियलिटी शो कॉफी विद करण को लेकर काफी सुर्खियां बटोरते रहे हैं। हाल ही में उन्हें द ट्रेटर्स में भी देखा गया था। वहीं अब करण एक फैशन रियलिटी शो पिच टू गेट रिच के साथ धमाकेदार वापसी करने को तैयार हैं। जियो हॉटस्टार पर आने वाले इस शो में करण जौहर के साथ मनीष मल्होत्रा और मलाइका अरोड़ा भी नजर आने वाले हैं।

बता दें कि शुक्रवार को शो का पहला प्रोमो रिलीज किया गया है। जिसमें करण, मनीष और मलाइका के अलावा बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियां नजर आ रही हैं। करण जौहर, मलाइका अरोड़ा और मनीष मल्होत्रा का ये नया फैशन शो पिच टू गेट रिच का फॉर्मेट शार्क टैंक जैसा ही वाइब दे रहा है। लेकिन इस शो में बस फैशन

स्टार्टअप से जुड़े लोग अपने आइडिया लेकर आ सकते हैं। जहां वो पैनल को अपने आइडिया देंगे और अपने स्टार्टअप का प्लान बताएंगे। जिसके बाद जज और गेस्ट उसमें पैसा लगाएंगे। इस शो के ट्रेलर को शेयर कर करण जौहर ने लिखा, जब फैशन के फाउंडर अमीर बनने के लिए पिच करते हैं, तो कचिंग-कचिंग तो लाजमी है। हॉटस्टार स्पेशल्स, पिच टू गेट रिच 20 अक्तूबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करेगा। वहीं करण जौहर के इस रियलिटी शो में बॉलीवुड के फेमस चेहरे भी नजर आएंगे। जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार, नवीन जिंदल, ध्रुव शर्मा, रवि जयपुरिया, दर्पण सांघवी, गौरव डालमिया, वागीश पाठक और विनोद दुगर शामिल हैं। वहीं इनके अलावा सारा अली खान, सैफ अली खान, और अनन्या पांडे जैसे सितारे नजर आ रहे हैं।

मॉडलिंग के बाद अब बिग बॉस का हिस्सा होंगी मालती चाहर

अभिनेत्री, लेखिका और निर्देशक मालती चाहर इन दिनों सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री ले सकती हैं। हर साल, यह शो अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को एक साथ लाता है। इस सीजन में भी ऐसा ही हुआ है। अगर खबरें सही हैं तो मुम्किन है मालती शो की अगली कंटेस्टेंट हों।

मालती चाहर के शो में आने से पहले ही वह काफी चर्चा में हैं। फैंस उनकी जिंदगी और करियर के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। बिग बॉस के घर में कदम रखने से पहले आइए उनके बारे में कुछ अहम बातें जान लेते हैं। मालती न केवल एक अभिनेत्री हैं, बल्कि एक मॉडल, कंटेंट क्रिएटर और फिल्म निर्माता भी हैं। वह

भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। उनके परिवार का क्रिकेट से भी गहरा नाता है। उनके चचेरे भाई राहुल चाहर भी भारत के लिए खेलते हैं। मालती का जन्म 15 नवंबर, 1990 को आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था और वह एक खेल-प्रेमी परिवार में पली-बढ़ीं।

मालती को पहली बार पहचान तब मिली जब उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मालती फेमिना मिस इंडिया 2014 की फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने फेमिना मिस इंडिया दिल्ली 2014 में मिस फोटोजेनिक का खिताब भी जीता। इसने मनोरंजन उद्योग में उनके करियर के लिए दरवाजे खोल दिए।

इन फिल्मों में किया काम

बाद में मालती ने अभिनय की ओर रुख किया और 2018 में अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित बॉलीवुड फिल्म जीनियस से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। साल 2022 में, उन्होंने अरविंद पांडे द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा इश्क पश्मीना में अभिनय किया। अभिनय के अलावा, मालती ने फिल्म निर्माण में भी रुचि दिखाई है। उन्होंने लघु फिल्मों का निर्देशन और निर्माण किया है। मालती चाहर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। यहां वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और निजी पलों के बारे में पोस्ट करती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मालती ने अभी तक बिग बॉस 19 में अपनी एंट्री के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

एकजुट होकर डिजिटल सुरक्षा के लिए लें संकल्प : रानी मुखर्जी

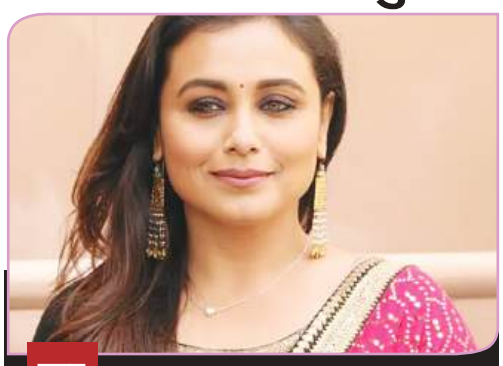

रानी मुखर्जी ने साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने मौजूदा वक्त के डिजिटल प्लेटफॉर्म के युग में साइबर क्राइम को महिलाओं व बच्चों के लिए एक बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के खिलाफ हम सबको एकजुट होकर लड़ना है और इससे पार पाना है। रानी मुखर्जी मुंबई के राज्य पुलिस मुख्यालय में साइबर जागरूकता माह 2025 के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए, इसे अपने लिए सम्मान की बात बताई। अभिनेत्री ने कहा कि वर्षों से अपनी फिल्मों के माध्यम से मुझे उन महिलाओं का चित्रण करने का सौभाग्य मिला है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ती हैं और कमजोर लोगों की रक्षा करती हैं। वास्तव में आज मैं 'मर्दानी 3' की शूटिंग से भागकर यहां आई हूं, इसलिए यह सब एक अद्भुत एहसास लग रहा है। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा की गई यह पहल सराहनीय है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि आज साइबर अपराध, खासकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध हमारे घरों में चुपचाप बढ़ रहे हैं। एक महिला और एक मां होने के नाते मैं समझती हूं कि जागरूकता कितनी जरूरी है। जब परिवारों को पता होता है कि कैसे सुरक्षित रहना है और कहां मदद लेनी है, तो असली सुरक्षा शुरू होती है। मैं साइबर सुरक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एसीएस इकबाल सिंह चहल और डीजीपी रश्मि शुक्ला का भी धन्यवाद करती हूं। राज्य में बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों के महत्व पर बात करते हुए रानी ने कहा कि डायल 1930 और डायल 1945 हेल्पलाइन सभी नागरिकों के लिए एक वरदान हैं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं कहानियों को पर्दे पर दिखा सकती हूं। लेकिन एक महिला, एक मां और एक नागरिक होने के नाते मुझे लगता है कि यह सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा चुपचाप न रोए, कोई भी महिला असुरक्षित महसूस न करे और कोई भी परिवार साइबर अपराध के कारण मानसिक शांति न खोए।

भारत का वो शख्स, जो नाश्ते में खा जाता है 10 किलो मिर्ची, लाल मिर्च पाउडर से धोता है एक एक अंग

मेघालय के घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच एक ऐसा शख्स रहता है, जिसकी स्टोरी सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। राम पिरतुह, पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के बटाव गांव के साधारण किसान है। लेकिन अपनी असाधारण क्षमता के कारण दुनियाभर में मशहूर है। जब दुनिया हेल्थ ट्रेंड्स पर चर्चा कर रही है, राम की पुरानी वीडियो फिर वायरल हो गई, जहां वे एक बार में 10 किलो से ज्यादा तीखी सूखी मिर्च खा जाते हैं, वो भी बिना आंसू बहाए, बिना पसीना छुड़ाए! लेकिन स्टोरी यहीं नहीं रूकती। वायरल पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राम लाल मिर्च पाउडर से प्राइवेट पार्ट्स धोते हैं और उफ्फ तक नहीं करते। क्या यह सुपरह्यूमन पावर है या मात्र अफवाह। आइये जानते हैं। राम पिरतुह का ये टैलेंट 2021 में चर्चा में आया, जब एक लोकल वीडियो में उन्हें मिर्च की थैलियां खाते देखा गया। फेसबुक और यूट्यूब पर अपलोड 'This man from Meghalaya can eat v® kgs of hot chillies at a time' ने लाखों व्यूज बटोरे। बस फिर क्या था। शख्स की चर्चा होने लगी और लोग दूर-दूर से इस बात की सच्चाई जानने के लिए आने लगे। राम, 50 के करीब उम्र के इस किसान ने कहा, 'मिर्च मेरी जिंदगी का हिस्सा है। बचपन से खाता आया हूं, अब तो कोई तीखापन महसूस ही नहीं होता।' वे ना सिर्फ मिर्च खाते हैं, बल्कि उससे नहा भी सकते हैं। जब उनकी इस शॉकिंग खूबी की चर्चा होने लगी तो कई लोग उन्हें परखने लगे। एक शो के दौरान उन्हें मिर्च के पेस्ट से नहला दिया गया। उनके प्राइवेट पार्ट्स में भी मिर्च लपेट दी गई। लेकिन आश्चर्य कि उन्हें कोई तकलीफ नहीं हुई। बटाव गांव के लोग बताते हैं कि राम का खाना मिर्च-बेस्ड होता है—चावल, सब्जी, सबमें तीखापन। राम की लाइफस्टाइल देखकर लगता है जैसे वे सुपरहीरो हों। सुबह उठते ही मिर्च वाली चाय, दोपहर में मिर्च-मटन करी, शाम को रॉ चिलीज। वे कहते हैं, 'मिर्च मेरी दवा है—कोई बीमारी नहीं लगती।' मेघालय के जैनतिया हिल्स में मिर्च की खेती आम है, लेकिन राम जैसा कोई नहीं है। अब एक बार फिर उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है।

अजब-गजब | वो शहर जहां डॉग्स का होता है डीएनए रेजिस्ट्रेशन

इस शहर में कुत्तों के मल त्यागने पर लगाया गया टैक्स, हैरान करने वाला है इसका कारण!

शहरों में लोग अक्सर कुत्ते पालते हैं, उन्हें घर में रखते हैं। बहुत बार पर्यटक किसी शहर में आते हैं और अपने पालतू कुत्तों को साथ लाते हैं। कुत्तों की वजह से शहर में गंदगी भी खूब होती है क्योंकि लोग कई बार उन्हें खुले में मल त्यागने ले जाते हैं। इटली के एक शहर ने इस समस्या से निजात खोजा है जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। इस शहर में पहले से ही हॉग्स का डीएनए रेजिस्ट्रेशन होता था, मगर अब उनके मल त्यागने पर भी टैक्स लगने लगा है।

इटली के खूबसूरत शहर बोल्ज़ानो, जो डोलोमाइट पहाड़ों का प्रवेश द्वार माना जाता है, इन दिनों एक नए और विवादास्पद प्रस्ताव को लेकर सुर्खियों में है। यहां की स्थानीय परिषद ने पर्यटक कुत्तों पर टैक्स लगाने का सुझाव दिया है। इस फैसले को लेकर जहां कुछ लोग इसे जरूरी कदम बता रहे हैं, वहीं पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और शहर के मेयर तक ने इसका विरोध किया है। स्थानीय परिषद के सदस्य लुइस वाल्चर ने एक बिल पेश किया है जिसके तहत अगर कोई पर्यटक अपने कुत्ते को बोल्ज़ानो लाता है तो उसे 1.50 यूरो (लगभग 135 रुपये) प्रतिदिन का टैक्स चुकाना

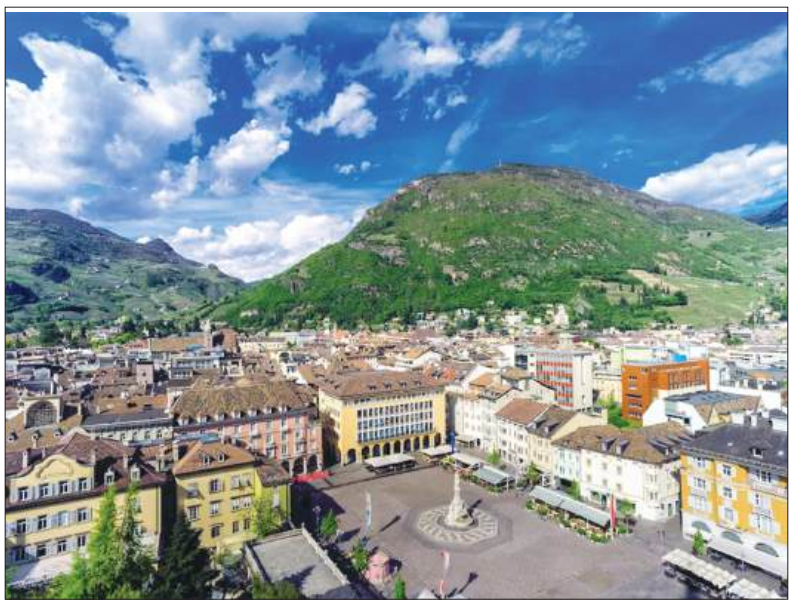

होगा। इतना ही नहीं, शहर में रहने वाले लोगों को भी हर साल 100 यूरो (लगभग 8,500 रुपये) का शुल्क देना होगा। यह टैक्स साल 2008 तक लागू था लेकिन फिर हटा लिया गया था। अब इसे दोबारा लागू करने की तैयारी की जा रही है, जो 2026 से प्रभावी हो सकता है।

रायबरेली में दलित युवक की हत्या दिल दहला देने वाली : पवन खेड़ा

राहुल गांधी ने की पीड़ित परिवार से बात

» कांग्रेस ने योगी सरकार से की न्याय की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उस दलित युवक के पिता और भाई से बात की जिसकी रायबरेली में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी और कहा कि इस असहनीय दुख की घड़ी में वह (गांधी) पीड़ित परिवार के साथ हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी। खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पीट-पीट कर जान लेने की यह घटना हृदय विदारक है। उन्होंने कहा, अंतिम क्षणों में जब उसे लाठी और बेल्ट से बेरहमी से पीटा जा रहा था, तब युवक को अपनी आखिरी उम्मीद - राहुल गांधी की याद आ रही थी।

खेड़ा ने कहा, राहुल संसद में रायबरेली का प्रतिनिधित्व करते हैं और वहां के लोगों को अपना परिवार मानते हैं, उनके लिए यह बेहद दुखद है। उन्होंने मृतक के पिता और भाई से व्यक्तिगत रूप से बात की है और वह इस असहनीय दु:ख की घड़ी में उनके साथ हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, उन्होंने (गांधी ने) भारत में पीट-पीट कर हत्या किए जाने के आम होने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है और कहा है कि ऐसे हिंसक तत्वों को कानूनी तौर पर सजा मिलनी चाहिए। न्याय मिलना चाहिए। गांधी वर्तमान में दक्षिण अमेरिका के चार देशों की यात्रा पर हैं।

पुलिस ने रायबरेली से पांच लोगों को किया गिरफ्तार

हरिओम को ड्रोन चोर समझकर कथित तौर पर पीट-पीटकर उसकी हत्या करने के आरोप में पुलिस ने रायबरेली से पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि हरिओम कथित तौर पर मानसिक रूप से कमजोर था और दांडेपुर जमुनापुर स्थित अपने ससुराल जा रहा था, तभी भीड़ ने उसे घेर लिया और उस पर चोरी के इरादे से ड्रोन से घरों पर निशान लगाने वाले गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाया। उसे बेल्ट और लाठियों से पीटा गया और कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई।

नफरत की राजनीति दलितों की ले रही जान: शमा मोहम्मद

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा कि उन्हें रायबरेली का एक बहुत ही विचलित करने वाला वीडियो मिला है जिसमें एक दलित युवक हरिओम की कुछ अपराधियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। कांग्रेस प्रवक्ता ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''जब उसने बार-बार 'राहुल गांधी, राहुल गांधी' कहा तो उन अपराधियों ने दावा किया कि वे योगी के समर्थक हैं। उत्तर प्रदेश में योगी और मोदी की डबल इंजन सरकार ने यही किया है। उनकी नफ़रत की राजनीति दलितों और हाशिए पर पड़े लोगों की जान ले रही है।'' उन्होंने कहा, '' मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं, महिलाएं असुरक्षित हैं और दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाया जा रहा है - भाजपा सरकार में कहीं भी कोई सुरक्षित नहीं है।''

जनता देगी 20 साल के काम पर वोट : संजय कुमार

» जदयू ने जताई उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने वाला है, ऐसे में सत्तारूढ़ जदयू सांसद संजय कुमार ने कहा कि जनता पिछले 20 वर्षों में राजनीतिक दलों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें वोट देगी। जदयू सांसद संजय कुमार झा ने संवाददाताओं से कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और जनता पिछले 20 वर्षों में बिहार में किए गए कार्यों के आधार पर वोट देगी। जनता ने डबल इंजन वाली सरकार को वोट देने का मन बना लिया है, राज्य के लोगों की सेवा करने का हमारा एक मज़बूत ट्रैक रिकॉर्ड है। भाजपा नेता शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि आखिरकार इंतज़ार खत्म हुआ। सीएम नीतीश कुमार आज बिहार को ढेरों तोहफ़े दे रहे हैं।

पटना मेट्रो का उद्घाटन हो रहा है। कई योजनाओं की शुरुआत हुई है। राजगीर में विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम बना है। हमने विकास करके दिखाया है, बिहार जंगल राज से मेट्रो राज में बदल गया है। इस बीच, कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने महागठबंधन की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने पटना में एएनआई से कहा, कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन पूरी तरह तैयार है, सभी महागठबंधन के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। चुनाव की तारीखों की संभावित घोषणा पर सिंह ने कहा कि विपक्ष स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद करता है। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आयोग से हमारी बस यही उम्मीद है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों, गरीब और वंचित तबके को वोट देने का अधिकार मिले, इसके अलावा, हमें और कुछ नहीं चाहिए।

महिला विश्वकप : भारत ने पाक को दी पटखनी

» पाकिस्तान को 88 रनों से हराया, क्रांति और दीप्ति ने झटके तीन-तीन विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर महिला विश्व कप में अपना अभियान जारी रखा है। इससे पहले हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने श्रीलंका को हराया था। रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 247 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 159 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। भारत के लिए इस मैच में क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने तीन-तीन विकेट झटके जबकि स्नेह राणा को दो सफलताएं मिलीं।

इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ महिला वनडे में 11-0 के रिकॉर्ड में सुधार कर लिया है और अब भारतीय टीम के नाम पाकिस्तान के खिलाफ 12 मैचों में जीत दर्ज हो गई है। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। ओपनर मुनीबा अली (2) का रनआउट होना मैच का पहला बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसके बाद क्रांति गौड़ (3/20) ने लगातार दो झटके देकर पाकिस्तान को संकट में डाल दिया। इसी बीच सिदरा अमीन (81) ने एक छोर संभाले रखा और नतालिया परवेज (33) के साथ मिलकर 69 रन की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही यह साझेदारी टूटी, भारतीय स्पिनरों ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली। आखिरकार पूरी टीम 43वें ओवर में 159 रन पर ढेर हो गई। वहीं ओपनर प्रतिका रावल (31) ने तेज शुरुआत दी, उन्होंने डायना बेग के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। हालांकि स्मृति मंधाना (23) एक बार फिर पावरप्ले में आउट हो गईं। इसके बाद हरलीन देओल (46) ने पारी को संभाला। इसके बाद दीप्ति शर्मा (25) और स्नेह राणा (20) ने 42 रन की अहम साझेदारी की, जिसने स्कोर को स्थिरता दी।

अमित शाह ने कहा- सही प्रहार

भारतीय महिला टीम की इस जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने पूरे देश को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एकदम सही स्ट्राइक। आईसीसी महिला विश्व कप के आज के मैच में हमारी महिला क्रिकेट टीम ने भारत की क्रिकेट शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया। देश को हमारी टीम पर गर्व है। आपके आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं।

छाती पीटने के बजाए क्रिकेट पर ध्यान दो

» एशिया कप में जीत के बाद कांग्रेस नेता की पाक को नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप में भारत ने तीन बार पाकिस्तान को धूल चटाई। रविवार को महिला विश्वकप में एक बार फिर वहीं हाल पाकिस्तान का हुआ। महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 88 रनों से करारी शिकस्त दी।

इस पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पाकिस्तान को नसीहत दे दी है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर लिखा कि महिलाओं का विश्वकप मैच देखकर एहसास हुआ, चाहे वो ऑपरेशन सिंदूर हो, एशिया कप हो, या महिलाओं का विश्वकप पाकिस्तान एक ही कला में माहिर है, मैदान के बाहर ड्रामा और जब बात मैदान पर खेलने की आती है तो नतीजा हर बार एक ही आता है।

एसआईटी जांच से करूर भगदड़ का सच सामने आएगा : स्टालिन

» मुख्यमंत्री बोले- राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप रोका जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित एसआईटी करूर भगदड़ की जांच शुरू करेगा, जिससे पूरी सच्चाई सामने आएगी तथा हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी। करूर घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के खिलाफ अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ रोकने के लिए एसओपी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार करूर त्रासदी पर उच्च न्यायालय के सभी दिशानिर्देशों पर ध्यान देते हुए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, करूर में हुई त्रासदी से हम सभी स्तब्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के आंसू देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। स्टालिन ने कहा कि वह मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि इस जांच के माध्यम से पूरी सच्चाई सामने आएगी और सभी स्तरों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

किसानों की मदद के बजाए खुद ही मदद ले रही सरकार : शरद पवार

» बोले- गन्ना मिल पर शुल्क लगाने पर पुनर्विचार करें मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह बारिश से प्रभावित किसानों की मदद करने के बजाय 'गन्ना किसानों' से सीएमआरएफ में योगदान करवा रही है। उन्होंने सरकार से गन्ना मिल पर शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। यह आलोचना सरकार द्वारा सीएमआरएफ के माध्यम से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने के लिए मिल में गन्ने पर 'लेवी' (शुल्क) लगाने के कदम से उत्पन्न हुई है।

पवार ने कहा, मुझे आश्चर्य है कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ से प्रभावित मराठवाड़ा के किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए गन्ना किसानों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने का फैसला किया है। मैं सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करता हूं। सरकार ने पिछले सप्ताह सीएमआरएफ के लिए मिल पर प्रति टन गन्ने पर 10 रुपये तथा बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए प्रति टन 5 रुपये का शुल्क लगाने का निर्णय लिया था। राजू शेट्टी, कांग्रेस विधान परिषद सदस्य सतेज पाटिल, विधायक रोहित पवार सहित कई किसान नेताओं ने इस शुल्क का विरोध किया है और इसे अनुचित और वित्तीय बोझ बताया है।

किसानों के हितों के खिलाफ काम कर रही राजग सरकार : अभय

कांग्रेस नेता अभय दुबे ने आरोप लगाया कि बिहार में राजग सरकार राज्य के किसानों के हितों के खिलाफ काम कर रही है और उनकी आजीविका के अवसर छीन रही है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना के नाम पर निजी कंपनियां भारी मुनाफा कमा रही हैं। दुबे ने कहा, अपने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से किसान देश को अन्न दे रहे हैं, लेकिन केंद्र और राज्य दोनों जगह की राजग सरकारें उनकी आजीविका के अवसर छीन रही है, केंद्र सरकार द्वारा 2026-27 विपणन सत्र के लिए छह रबी फसलों का एमएसपी बढ़ाने के हालिया निर्णय का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि नीतीश सरकार ने उत्पादन लागत का मूल्यांकन और विश्लेषण नहीं किया, जबकि प्रक्रिया के तहत केंद्र एमएसपी तय करने से पहले राज्य सरकारों से यह आंकड़े एकत्र करता है।

स्वास्थ्य मंत्री के संवेदनहीन रवैये से सियासी संग्राम

राजस्थान के जयपुर एसएमएस अस्पताल में हादसा, नौ घंटे बाद जागे स्वास्थ्य मंत्री खींवसर

» पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मरीजों का हाल जाना

» कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में अभी कफ सिरप से मरे बच्चों का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में सात मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। इस घटना ने प्रदेश के लोगों का दुख और बढ़ा दिया। उससे बड़ा शर्मनाक व दर्दनाक कृत तो वहां के स्वास्थ्य मंत्री ने किया। घटना बीती रात को हुई और मंत्री दूसरे दिन जयपुर पहुंचे। उनके इस संवेदनहीन रवैये को लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री पर विपक्ष ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

बता दें सवाईमानसिंह अस्पताल जयपुर के ट्रॉमा सेंटर रविवार देर रात लगी आग में सात गंभीर मरीजों की मौत हो गई। एसएमएस अस्पताल में लगी आग पर सीएम भजनलाल ने दुख व्यक्त किया, वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। लेकिन जिनके हाथों में प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की कमान है, वही नदारद थे। सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में लगी आग के नौ घंटे बाद राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का अब जाके बयान सामने आया है। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दु:खद और हृदय को व्यथित करने वाली है। प्रभावित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। खींवसर से जयपुर के मार्ग में हूं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के निर्देशानुसार घटना की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न रहने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, इस घटना में किसी भी स्तर की लापरवाही सामने आने पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार की पूरी टीम सतर्क है। मरीजों की सुरक्षा, इलाज और देखभाल के सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी स्वयं स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

ट्रॉमा सेंटर में रात करीब 12 बजे के आस-पास आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

बताया जा रहा है कि सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रात करीब 12 बजे के आस-पास आईसीयू वार्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस हादसे में सात मरीजों की मौत हो गई है, जबकि कई गंभीर मरीजों को सुरक्षित निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टरों, नर्सों और दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ ने जानकारी दी कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी प्रतीत होती है। आईसीयू में भर्ती ज्यादातर मरीज पहले से ही बहुत गंभीर स्थिति में थे और कई कोमा में थे। उनके सर्वाइवल रिफ्लेक्स कमजोर थे, इसलिए उन्हें तुरंत शिफ्ट करना मुश्किल हो रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। धुएं से आईसीयू पूरी तरह भर गया और वहां भर्ती कई मरीजों की हालत और भी बिगड़ गई। अस्पताल के आईसीयू से निकलता धुआं, बेडों पर बिखरा मेडिकल उपकरण और बाहर इंतजार करते परिजनों के आंसू आग के बाद का मंजर बेहद विचलित करने वाला था। तस्वीरों में अस्पताल के बाहर मातम और दर्द का माहौल साफ देखा जा सकता है।

प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं : डोटासरा

हादसे को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री अब तक सो रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि ये सरकार किसी काम की नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मंत्री निजी कंपनियों को क्लीन चीट देने में लगे हैं। इतने बड़े हादसे के मृतकों का आंकड़ा अभी तक स्पष्ट नहीं है और न ही घायलों की कोई जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मृतकों के परिजनों से उनके घर जाकर न्याय मिलने की उम्मीद के बयान ले रहे हैं। पुलिस यहां मौजूद परिजनों को खदेड़ रही है। हादसे में मृतकों के परिजनों का आरोप है कि उनके घरों पर पुलिस भेजी जा रही है और उन्हें दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी बीच अस्पताल परिसर में धरना देकर नारेबाजी कर रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी अस्पताल पहुंचकर मरीजों के साथ बातचीत की।

उचित मुआवजा मिले, हो त्वरित जांच हों : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में लगी भीषण आग से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने और घटना की गहन जांच कराने की अपील की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि जयपुर के एक सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगाने से कई मरीजों की दर्दनाक मौत की खबर बेहद हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूँ। कांग्रेस नेता ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पोस्ट में लिखा था, मैं राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवज़ा देने, इस घटना की त्वरित जाँच करने और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़ी कार्रवाई करने की अपील करता हूँ। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गोपाल शर्मा ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और पीड़ितों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे की मांग की। भाजपा विधायक ने कहा, यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। शोक संतप्त परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। जिन लोगों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सीजेआई गवई पर की जूता फेंकने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना तब घटी जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा मामलों की सुनवाई कर रही थी। सूत्रों के अनुसार, वकील मंच के पास गया और अपना जूता निकालकर जज पर फेंकने की कोशिश की। हालाँकि, अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप किया और वकील को बाहर निकाल दिया। बाहर निकलते समय वकील को यह कहते सुना गया कि सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

» सनातन का अपमान नहीं सहेंगे कह कर भड़के वकील

» आरोपी लिया गया हिरासत में

मुख्य न्यायाधीश ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा इस सब से विचलित न हों। हम विचलित नहीं हैं। ये बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। यह घटना संभवत: खजुराहो में भगवान विष्णु की सात फुट ऊँची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना से संबंधित एक पूर्व मामले में मुख्य न्यायाधीश गवई की टिप्पणियों से प्रेरित थी। उस मामले को खारिज करते हुए उन्होंने कहा था जाओ और देवता से ही कुछ करने को कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो अभी जाकर प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को अनुमति वगैरह देनी होगी।

इस टिप्पणी से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया था और कई लोगों ने मुख्य न्यायाधीश पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया था। दो दिन बाद खुली अदालत में इस विवाद पर बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि उनका कोई अनादर करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूँ... यह सब सोशल मीडिया पर हुआ। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश का समर्थन करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर अक्सर घटनाओं पर प्रतिक्रियाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग ने रिश्ते किए तार-तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में 3 अक्टूबर को डेरी संचालक रमेश यादव की पत्नी रेनू यादव की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि मृतका के पुत्र निखिल यादव ने ही की थी।

पुलिस के अनुसार, निखिल ऑनलाइन गेमिंग का शौकीन था और उसने गेमिंग एप में काफी रुपए हार दिए थे। पैसे की जरूरत पड़ने पर उसने कई लोगों से मदद मांगी, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली। इसके बाद उसने अपनी मां से रुपए मांगे। रुपए देने से इंकार और कहासुनी के बीच उसने गुस्से में आकर अपनी मां की हत्या कर दी और घर से रुपए व जेवरात लेकर फरार हो गया। पीजीआई पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपी निखिल को प्रयागराज से गिरफ्तार कर पूरे हत्याकांड का खुलासा किया है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में खतरे से बाल-बाल बचे सैकड़ों यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने सोमवार को अमृतसर से बर्मिंघम जा रहे एयर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 विमान में आपातकालीन टरबाइन, राम एयर टरबाइन (आरएटी) के हवा में बिना किसी आदेश के तैनात होने की जाँच शुरू की। विमान, एआई 117, बर्मिंघम में सुरक्षित लैंडिंग कर चुका था।

डीजीसीए करेगा जांच

आरएटी प्रणाली एक छोटा सा पंखे जैसा उपकरण है जो विमान की बिजली गुल होने पर, आमतौर पर सभी इंजनों के बंद हो जाने पर, स्वचालित रूप से चालू हो जाता है। यह पंखा आपातकालीन बिजली उत्पन्न करने के लिए आने वाली हवा का उपयोग करता है। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि लैंडिंग के समय सभी विद्युत और हाइड्रोलिक प्रणालियाँ सामान्य रूप से काम कर रही थीं। हालाँकि, मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार, विमान को विस्तृत निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है। डीजीसीए के अनुसार, जब विमान बर्मिंघम में 400 फीट की ऊँचाई पर उतरने वाला था, तब आरएटी तैनात किया गया। विमानन नियामक ने बताया कि पायलट ने किसी भी असामान्यता की सूचना नहीं दी और विमान को सुरक्षित उतार लिया।

बोइंग (ड्रीमलाइनर 787-8 विमान निर्माता) द्वारा बिना कमांड वाले आरएटी की तैनाती के लिए अनुशंसित रखरखाव कार्यवाहियाँ पूरी कर ली गई हैं और कोई विसंगति नहीं देखी गई है। डीजीसीए ने आगे कहा विमान को सेवा के लिए जारी किया जा रहा है। बोइंग ने सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और पुष्टि की कि यदि सभी चरण संतोषजनक रहे तो विमान संरचनात्मक और कार्यात्मक रूप से निरंतर परिचालन के लिए स्वीकार्य है।

कटक में हिंसा के बाद 36 घंटे का कर्फ्यू लागू

» सत्तापक्ष व विपक्ष ने की शांति की अपील, 60 पुलिस पलटन तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के पंडालों की मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद प्रशासन ने 36 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू 6 अक्तूबर रात 10 बजे से 7 अक्तूबर सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। ये कर्फ्यू भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के तहत लगाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नरसिंह भोला ने बताया कि इस दौरान सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे, लेकिन अस्पताल, स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। इसके अलावा, जरूरी सेवाएं जैसे दवाखाने, किराना दुकानें और पेट्रोल पंप खुले रहेंगे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर और कदम उठाए जाएंगे। कर्फ्यू से प्रभावित मुख्य इलाकों में दरगाह बाजार, मंगलाबाग, पुरिघाट, लाल बाग और जगतपुर शामिल हैं।

प्रभावित इलाकों में इंटरनेट और सोशल मीडिया बंद

इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स, स्नैपचैट समेत सभी इंटरनेट और मैसेजिंग सेवाएं बंद कर दी गई हैं। यह रोक रविवार शाम 7 बजे से सोमवार शाम 7 बजे तक लागू है। प्रशासन ने बताया कि यह कदम उकसाने वाले और भड़काऊ संदेशों को रोकने के लिए लिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक बोले-दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो

मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी, पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और स्थानीय विधायक नागरिकों से साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रहे हैं। मुख्यमंत्री माजी ने कहा, साम्प्रदायिक सौहार्द पर कोई समझौता नहीं होगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।